and its Board of Governors to benefit from the views of persons who are office bearers of different staff association*

Kendriya Vidyalaya, Danapur

4158. DR. R. K. PODDAR: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that despite getting 14 acres of land for building, Kendriya Vidyalaya, Danapur (Patna) is being run in dilapidated barracks;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) by when the construction work of the building is likely to be undertaken?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (c) No Sir. Kendriya Vidyalaya Danapur Cantt, is functioning in the school building constructed by the Kendriya Vidyalaya Sangathan.

However, some classes are functioning in the accommodation provided by the sponsoring organisation because of increase in sections in some classes. To meet the requirement of additional classrooms, administrative approval has already been issued.

विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता

4159. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1984 में देश के कुछ सरकारी विद्यालयों में "विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन" नामक परियोजना आरंभ की गयी थी और यदि हां, तो इस परियोजना में कितने स्कूल शामिल थे ;

(ख) चालू शिक्षा सत्र में यह परियोजना कितने विद्यालयों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार देश में सभी विद्यालयों को इस परियोजना के अन्तर्गत लाने का विचार रखती है ; और यदि हां, तो यह कार्य कब तक किये जाने की संभावना है ; और

(घ) चालू शिक्षा सत्र तक इस परियोजना द्वारा कितने प्रतिशत छात्र लाभान्वित होंगे ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) इलैक्ट्रोनिक विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा संयक्त रुप से 1984–85 के दौरान पाइलट आधार पर 248 स्कूलों में "स्कूलों में संगणक साक्षरता और अध्ययन (क्लास) परियोजना" प्रारंभ की गयी थी। परियोजना को 2598 स्कूलों को सम्मिलित करते हुए वर्ष दर वर्ष आधार पर 1989–90 तक बढ़ाया गया था। 1990–91 से कोई नया स्कूल नहीं जोड़ा गया।

(ख) 1991–92 में कोई नए स्कूल सम्मिलित करने की संभावना नहीं है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के सभा पटल पर रख दी जाएगी।

कम्प्यूटर साक्षरता योजना

4160. श्री रजनीत सिंह :
श्री राम जेठमलानी :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत दशक में आरंभ की गई कम्प्यूटर साक्षरता तथा अध्ययन योजना अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार इसके संचालन की जिम्मेदारी गैर सरकारी क्षेत्र को देने पर विचार कर रही है ; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (घ) माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को संगणकों के बारे में विस्तृत जानकारी व उनके प्रयोग तथा 'हैंड-आन' अनुभव एवं संगणक ज्ञान को सरल बनाने के लिए इलैक्ट्रानिकी विभाग तथा शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 1984-85 में संगणक साक्षरता तथा स्कूलों में अध्ययन (क्लास) के लिए मार्ग-दर्शी परियोजना शुरु की गई। परियोजना को 1991-92 तक वर्ष दर वर्ष आधार पर आगे बढ़ाया जाता रहा। इस परियोजना के अन्तर्गत 1984-85 से 1989-90 तक कुल 2598 माध्यमिक/उच्चतर माध्य-मिक स्कूलों को शामिल किया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत 1990-91 से किसी नए स्कूल का चयन नहीं किया गया है। यह परियोजना अन्तरिक्ष अनु-प्रयोग केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा 1986 में मूल्यांकित की गई। अध्ययन से अन्य बातों के साथ यह भी ज्ञात हुआ कि क्लास परियोजना के लिए छात्रों तथा शिक्षकों में अद्भूत उत्साह था। इस परियोजना को अक्तूबर, 1986 में सरकार द्वारा गठित एक कार्यदल द्वारा भी समीक्षा की गई। कार्यदल का विचार था कि परियोजना ने भारत में स्कूलों में शिक्षा के उन्नयन तथा उसे अद्यतन बनाने में अच्छी शुरुआत की है तथा इसमें शिक्षकों तथा विद्या-र्थियों में नवाचार, विश्लेषणात्मक योग्यता तथा रचनात्मकता का संवर्द्धन करने तथा प्रोत्सा-हन देने का सामर्थ्य है। कार्यदल ने सिफा-रिश की कि परियोजना को चालू रखा जाए।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 31 मार्च, 1990 को समाप्त वर्ष के लिए रिपोर्ट-केन्द्रीय सरकार का 1991 की संख्या 11 में परियोजना के कार्यान्वयन में अनेक खामियों का उल्लेख किया, जो सरकार द्वारा 14 सितम्बर, 1991 को पहले ही संसद के पटल पर रखी जा चुकी है। रिपोर्ट में उल्लिखित खामियों को उपचारी उपायों के लिए रा० शै० अनु० प्र० परिषद्, इलैक्ट्रानिकी विभाग, परि-योजना मंत्रालय तथा कम्प्यूटर मेनटेनैंस कार्पोरेशन (सी० एम० सी०) लिमिटेड के ध्यान में लाया जा चुका है।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी विद्यार्थियों के लिए संगणक साक्षरता को और अधिक अर्थपूर्ण तथा कार्यात्मक बनाने के लिए परियोजना की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के दौरान एक प्रश्न पर विचार किया गया कि क्या संगणक शिक्षा में विशेषज्ञता प्राप्त निजी क्षेत्र की एजेंसियों को शामिल करके एक एकीकृत अन्तर्निवेश-वितरण प्रणाली की स्थापना, परियोजना के कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाएगा। इस मामले की जांच की जा रही है।

Teaching of Sanatorle In wtoos dSsct-

4161. SHRI SAMGH PRIYA GAUTAM:

SHRI RAMDAS AGARWAL:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state whether Government propose to introduce the teaching of Sanskrit in Colleges and Universities in such courses as Philosophy, History, Archaeology, In-dclogy, Linguistics, Architecture, Political Science, Sociology, Mathematics, etc., in which India have made significant cons-tribirtion?

THE MINISTER OF HUMAN RE-SOURCE DEVELOPMENT (SHRI AR-JUN SINGH): Government or University Grants Commission do not prescribe courses of study in Universities and Colleges. Universities are autonomous bodies and prescribe their own courses of study. The courses offered in Universities and colleges vary from University to University. In many Universities Sanskrit Language is also one of the elective subjects for combination with other specified subjects.